Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-11(A)| November- 2025

Original Article

अम्बेडकरनगर जिले में पक्की सड़क संपर्कता एवं पेयजल उपलब्धता का स्थानिक विश्लेषण

प्रीति त्रिपाठी[1], प्रो.(डॉ.) नरेन्द्र सिंह[2]

[1]शोधार्थी, एम.ए., भूगोल विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

[2]शोध निदेशक, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

Manuscript ID:
JRD -2025-171122
ISSN: 2230-9578
Volume 17
Issue 11(A)
Pp. 127-131
November. 2025
Submitted: 18 Oct. 2025
Revised: 28 Oct. 2025
Accepted: 11 Nov. 2025
Published: 30 Nov. 2025

सारांश

यह अध्ययन अम्बेडकरनगर जिले में पक्की सड़क संपर्कता तथा शुद्ध पेयजल उपलब्धता के स्थानिक विश्लेषण पर आधारित है। ग्रामीण अवसंरचना, विशेषकर सड़कों और पेयजल सुविधाओं का विकास किसी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक उत्थान का प्रमुख आधार माना जाता है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में सड़क अवसंरचना अत्यधिक विकसित है, जहाँ समस्त विकासखण्डों का औसत सड़क संपर्क स्तर 91.05 प्रतिशत दर्ज किया गया है। बसखारी और रामनगर जैसे विकासखण्ड 100 प्रतिशत पक्की सड़कों से जुड़े होने के कारण आदर्श स्थिति प्रस्तुत करते हैं, जबकि भीटी, अकबरपुर, टांडा, कटेहरी और भियाँव जैसे क्षेत्रों में सड़क संपर्क संतोषजनक से उच्च स्तर तक पहुँच चुका है। दूसरी ओर, जिले में पेयजल सुविधा की उपलब्धता सभी विकासखण्डों में 100 प्रतिशत पाई गई, जो जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम एवं राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन जैसी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है। पेयजल उपलब्धता में इस पूर्णता का सकारात्मक प्रभाव स्वास्थ्य, समय–प्रबंधन, सामाजिक कल्याण और आर्थिक गतिविधियों पर स्पष्ट रूप से देखा गया है। अध्ययन में सांख्यिकीय, गुणात्मक एवं स्थानिक विश्लेषण विधियों का उपयोग करते हुए विकासखण्डवार अवसंरचना की स्थिति, क्षेत्रीय असमानताओं, चुनौतियों और संभावनाओं का मूल्यांकन किया गया है। परिणामतः यह शोध स्पष्ट करता है कि अम्बेडकरनगर जिला ग्रामीण अवसंरचना विकास की दृष्टि से उन्नत स्थिति में है, किन्तु कुछ दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क संपर्क और पेयजल गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता बनी हुई है। यह अध्ययन नीतिगत हस्तक्षेपों और सतत् अवसंरचना विकास योजनाओं के लिए उपयोगी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

प्रस्तावना

ग्रामीण अवसंरचना किसी भी क्षेत्र के समग्र सामाजिक–आर्थिक विकास की आधारशिला होती है। विशेषकर पक्की सड़क संपर्कता और शुद्ध पेयजल उपलब्धता ऐसे प्राथमिक भौतिक अवयव हैं जो ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता, कृषि उत्पादन, विपणन प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच तथा शैक्षणिक सुविधाओं के उपयोग को सीधे प्रभावित करते हैं। अम्बेडकरनगर जिले में हाल के वर्षों में सड़क अवसंरचना एवं पेयजल आपूर्ति तंत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश विकासखण्ड उच्च स्तर पर पक्की सड़कों से जुड़े हैं तथा लगभग सभी ग्रामों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। पक्की सड़कों से जुड़ी आबादी में भीटी, अकबरपुर, टांडा, कटेहरी और भियाँव जैसे विकासखण्ड उल्लेखनीय प्रगति दर्शाते हैं, जबकि बसखारी और रामनगर जैसे विकासखण्डों ने 100 प्रतिशत सड़क संपर्क प्राप्त कर आदर्श मॉडल प्रस्तुत किया है। औसत सड़क संपर्क स्तर 91.05 प्रतिशत होने से यह स्पष्ट होता है कि जिले की ग्रामीण सडक अवसंरचना अत्यधिक विकसित है। दूसरी ओर, पेयजल सुविधा के क्षेत्र में जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम तथा राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से सभी विकासखण्डों में 100 प्रतिशत ग्रामों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य, समय–प्रबंधन, उत्पादन क्षमता तथा सामाजिक कल्याण में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। इन दोनों अवसंरचना घटकों की उपलब्धता का स्थानिक विश्लेषण जिले के विकास स्तर, असमानताओं, चुनौतियों एवं संभावनाओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत शोध पत्र अम्बेडकरनगर जिले की सड़क संपर्कता एवं पेयजल उपलब्धता का समग्र, तुलनात्मक एवं स्थानिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
प्रीति त्रिपाठी, शोधार्थी, एम.ए., भूगोल विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

How to cite this article:
त्रिपाठी, . प्रीति ., & सिंह, . नरेन्द्र . (2025). अम्बेडकरनगर जिले में पक्की सड़क संपर्कता एवं पेयजल उपलब्धता का स्थानिक विश्लेषण. Journal of Research and Development, 17(11(A)), 127–131.
https://doi.org/10.5281/zenodo.17877620

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.17877620
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-11(A)| November- 2025

स्थिति एवं विस्तार

जनपद अंबेडकर नगर उत्तर प्रदेश के उत्तर–पूर्वी भाग में स्थित है। भौगोलिक दृष्टिकोण से अंबेडकर नगर जनपद उत्तर भारत के बृहद मैदान का भाग है जिसका अक्षांशीय विस्तार $26^0$09' N से $26^0$40' N एवं देशांतरीय विस्तार $82^0$13' E से $83^0$09' E तक है । अंबेडकरनगर जनपद की सीमा पूर्व में आजमगढ, दक्षिण में सुल्तानपुर एवं पश्चिम में अयोध्या जनपद से सीमांकित है। इसकी उत्तरी सीमा बस्ती, संतकबीरनगर, एवं अम्बेडकरनगर जनपद से पतित पावन सरयू (घाघरा) नदी द्वारा अलग होती है। टोंस अध्ययन क्षेत्र के मध्य में प्रवाहित होने वाली प्रमुख नदी है जो इसे लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करती है। जनपद अंबेडकरनगर का भौगोलिक क्षेत्रफल 2350 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 2397888 है।

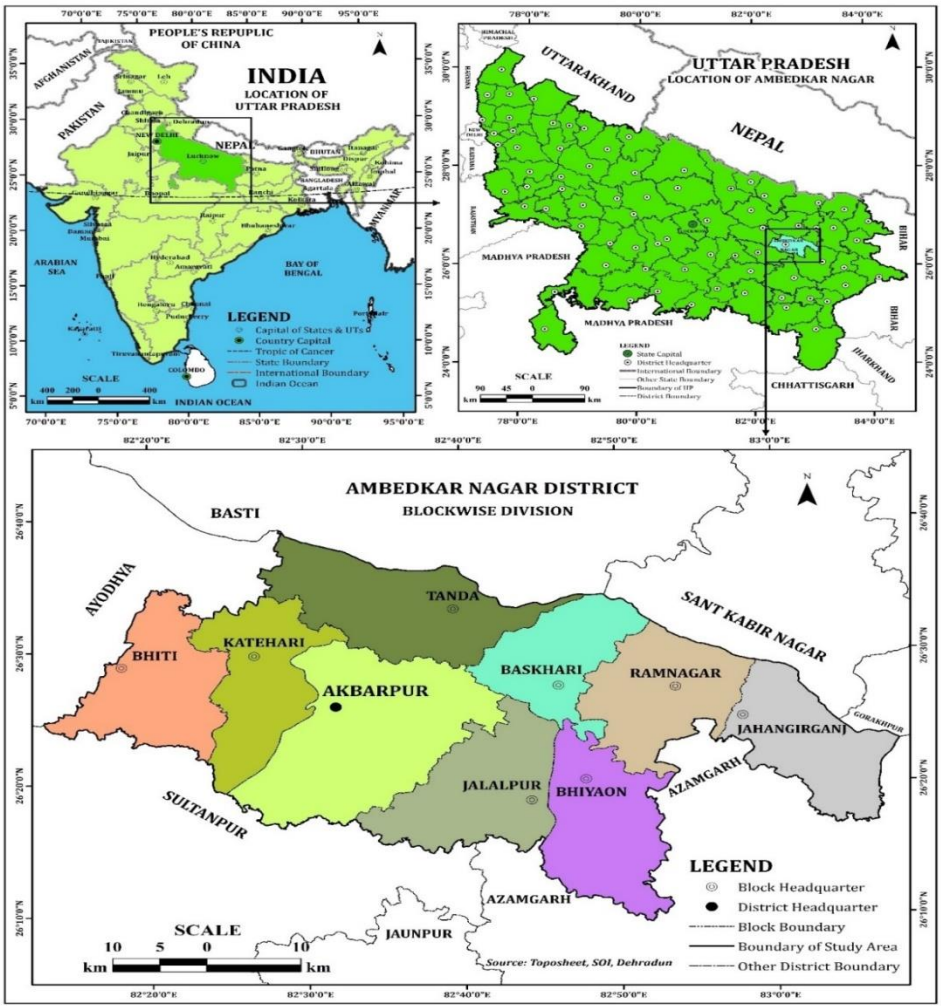

उद्देश्य

- अम्बेडकर नगर जिले के विभिन्न विकासखण्डों में पक्की सड़क संपर्कता के स्तर का आकलन एवं तुलना करना।
- जिले में शुद्ध पेयजल सुविधाओं वाले ग्रामों के प्रतिशत का अध्ययन करना तथा सभी विकासखण्डों में उसकी उपलब्धता का विश्लेषण करना।
- सड़क और पेयजल अवसंरचना के ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि विपणन और सामाजिक जीवन पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- सड़क संपर्क सुधार एवं पेयजल गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु योजनागत सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध विधि

- इस अध्ययन में द्वितीयक स्रोतों–जिला सांख्यिकी कार्यालय, विकासखण्ड कार्यालय, जल जीवन मिशन एवं रिपोर्टों तथा जनगणना 2011 से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया गया।
- प्राप्त आंकड़ों का औसत, प्रतिशत, प्रवृत्ति विश्लेषण तथा विकासखण्डवार तुलना के माध्यम से सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया।
- विभिन्न विकासखण्डों में अवसंरचना उपलब्धता के स्थानिक प्रतिरूप और असमानताओं की पहचान की गई।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-11(A)| November- 2025

पक्की सड़कों से जुड़े आबाद

यह तालिका क्रमांक अम्बेडकरनगर जिले के विभिन्न विकासखण्डों में पक्की सड़कों से जुड़े आबाद गांवों के प्रतिशत को दर्शाती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिले में सड़क अवसंरचना का विकास किस स्तर तक पहुंचा है। अधिक प्रतिशत वाले क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर है, जिससे परिवहन, कृषि विपणन, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवाओं की उपलब्धता सुगम होती है। भीटी (85.8 प्रतिशत), कटेहरी (83.98 प्रतिशत), अकबरपुर (86.6 प्रतिशत), टांडा (86.5 प्रतिशत) और भियाँव (85.11 प्रतिशत) जैसे विकासखण्डों में सड़क संपर्क संतोषजनक से उच्च स्तर पर है, हालांकि इन क्षेत्रों में कुछ दूरस्थ गांव अभी भी बेहतर सड़क सुविधाओं की आवश्यकता महसूस करते हैं। इसके विपरीत, बसखारी और रामनगर विकासखण्ड 100 प्रतिशत गांवों के साथ पूर्णप्रतिशत सड़क–संपर्कित हैं, जो इन्हें सड़क अवसंरचना के आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत करते हैं। जहांगीरगंज (96.52 प्रतिशत) और जलालपुर (94.97 प्रतिशत) में भी सड़क नेटवर्क अत्यंत मजबूत है और केवल कुछ सीमित क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। समस्त विकासखण्डों का औसत सड़क संपर्क स्तर 91.05 प्रतिशत है, जो यह प्रमाणित करता है कि अम्बेडकरनगर जिले में ग्रामीण सड़क अवसंरचना अत्यधिक विकसित है और लगभग सभी गाँव पक्की सड़कों से जुड़े हुए हैं। कुल मिलाकर, जिले में सड़क संपर्क की यह मजबूत स्थिति ग्रामीण विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक सेवाओं की पहुंच को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाती है, जबकि कुछ विकासखण्डों में अभी भी सड़क विस्तार की संभावनाएँ बनी हुई हैं।

जनपद अम्बेडकरनगर मे विकासखण्डवार पक्की सड़कों से जुड़े आबाद ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत–2011	
विकासखण्ड	2023–24
भीटी	85.8
कटेहरी	83.98
अकबरपुर	86.6
टांडा	86.5
बसखारी	100
रामनगर	100
जहांगीरगंज	96.52
जलालपुर	94.97
भियॉव	85.11
समस्त विकासखण्ड	91.05

शुद्ध पेयजल सुविधा

जब किसी विकासखण्ड में शुद्ध पेयजल सुविधायुक्त ग्रामों का प्रतिशत 100 प्रतिशत होता है, तो इसका अर्थ है कि वहाँ के सभी आबाद गाँवों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है तथा किसी भी गाँव में पेयजल कनेक्शन की कमी दर्ज नहीं की गई है। इसका मतलब है कि पाइप्ड वाटर सप्लाई, हैंडपंप, इंडिया मार्का हैंडपंप, आधारित सप्लाई या अन्य स्वच्छ जल स्रोत प्रत्येक गाँव में मौजूद हैं। अम्बेडकरनगर जिले में ऐसी स्थिति जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, और राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव हुई, जिनके अंतर्गत सभी गाँवों को सुरक्षित पेयजल स्रोतों से जोड़ा गया, पाइप्ड जलापूर्ति का विस्तार किया गया, पुराने हैंडपंपों का सुधार एवं नए इंस्टॉलेशन किए गए तथा जल–गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से जल की शुद्धता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप भीटी, जलालपुर, अकबरपुर, टांडा, बसखारी, रामनगर, जहांगीरगंज, टांडा, जलालपुर, फेथुआ, भीटी आदि सभी विकासखण्डों में शुद्ध पेयजल सुविधायुक्त ग्रामों का प्रतिशत 100 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इस व्यापक उपलब्धता का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव देखा गया, जिससे जलजनित रोगों जैसे डायरिया, हैजा और टाइफाइड में उल्लेखनीय कमी आई और बच्चों में कुपोषण व संक्रमण की संभावना घटी। सामाजिक रूप से महिलाओं व बच्चों का पानी लाने में लगने वाला समय बचा, जिससे उनके जीवन में सुविधा और स्वच्छता बढ़ी। आर्थिक दृष्टि से समय की बचत से उत्पादन क्षमता बढ़ी तथा स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च कम हुआ, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। यह उपलब्धता जिले की समग्र ग्रामीण अवसंरचना के उच्च स्तर का संकेतक है और विकास सूचकांक में सुधार लाती है। हालांकि 100 प्रतिशत कवरेज होने के बावजूद कुछ क्षेत्रीय चुनौतियाँ, जैसेकृकुछ हैंडपंपों में आर्सेनिक/फ्लोराइड की समस्या, गर्मियों में जलस्तर का गिरना, पाइप्ड जल दबाव में कमी, तथा मोटर/पंप खराब होने पर मरम्मत में विलंब जैसी समस्याएँ बनी रह सकती हैं। इसलिए 100 प्रतिशत कवरेज का अर्थ 100 प्रतिशत गुणवत्ता नहीं होता, अतः जल स्त्रोतों के सतत् रखरखाव, जलस्तर संरक्षण और नियमित जल–गुणवत्ता परीक्षण की निरंतर आवश्यकता बनी रहती है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-11(A)| November- 2025

जनपद अम्बेडकरनगर मे विकासखण्डवार शुद्ध पेयजल सुविधायुक्त ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत	
विकासखण्ड	शुद्ध पेयजल सुविधायुक्त ग्रामों का प्रतिशत
भीटी	100
कटेहरी	100
अकबरपुर	100
टांडा	100
बसखारी	100
रामनगर	100
जहांगीरगंज	100
जलालपुर	100
भियॉव	100
समस्त विकासखण्ड	100

निष्कर्ष

अम्बेडकरनगर जिले में पक्की सड़क संपर्कता और शुद्ध पेयजल उपलब्धता के स्थानिक विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि जिले की ग्रामीण अवसंरचना अत्यधिक विकसित अवस्था में पहुँच चुकी है। सड़क संपर्कता के संदर्भ में अधिकांश विकासखण्ड उच्च प्रतिशत प्राप्त करते हैं, जिनमें बसखारी और रामनगर ने 100 प्रतिशत कवरेज के साथ आदर्श स्थिति स्थापित की है। भीटी, अकबरपुर, टांडा, कटेहरी और भियाँव जैसे विकासखण्ड भी 85 प्रतिशत से अधिक सड़क संपर्क प्राप्त कर चुके हैं, जो परिवहन, कृषि विपणन, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुँच को व्यापक रूप से सुलभ बनाते हैं। जिले का औसत सड़क संपर्क स्तर 91. 05 प्रतिशत होना इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना मजबूत और व्यापक है, यद्यपि कुछ दूरस्थ ग्रामों में अभी भी सड़क विस्तार की आवश्यकता बनी हुई है। पेयजल उपलब्धता के अध्ययन में पाया गया कि सभी विकासखण्डों में 100 प्रतिशत ग्राम शुद्ध पेयजल सुविधायुक्त हैं, जो जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम तथा राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है। इस व्यापक पेयजल उपलब्धता ने ग्रामीण जीवन की स्वास्थ्य–सुरक्षा, स्वच्छता, समय–प्रबंधन और आर्थिक गतिविधियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। जल–गुणवत्ता परीक्षण, पाइप्ड जलापूर्ति, हैंडपंप सुधार एवं नई स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हालांकि, जलस्तर गिरावट, पाइप्ड जल दबाव में कमी, मोटरध्पंप खराबी और कुछ क्षेत्रों में आर्सेनिकध्फ्लोराइड की समस्या जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, जिन पर सतत् ध्यान देने की आवश्यकता है। समग्र रूप से यह अध्ययन दर्शाता है कि अम्बेडकरनगर जिले की सड़क और पेयजल अवसंरचना जिले के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा, कृषि वृद्धि, शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान देती है। अतः जिले में अवसंरचना विकास की वर्तमान उपलब्धियों के साथ–साथ भविष्य में सतत् रखरखाव, जलस्तर संरक्षण, सड़क विस्तार और गुणवत्ता सुधार हेतु योजनागत प्रयास आवश्यक हैं। यह शोध प्रशासनिक अधिकारियों, योजनाकारों और नीति–निर्माताओं के लिए उपयोगी दिशा–निर्देश प्रदान करता है और ग्रामीण विकास की दिशा में आगे की रणनीतियों को सुदृढ़ बनाता है।

संदर्भ सूची

1. Census of India. (2011). District Census Handbook: Ambedkarnagar. Office of the Registrar General & Census Commissioner, Government of India.
2. District Statistical Office Ambedkarnagar. (2023). Statistical abstract of Ambedkarnagar district. Government of Uttar Pradesh.
3. Ministry of Jal Shakti. (2023). Jal Jeevan Mission: Annual progress report. Department of Drinking Water and Sanitation, Government of India.
4. Ministry of Rural Development. (2022). Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY): National performance report. Government of India.
5. National Rural Drinking Water Programme. (2020). NRDWP monitoring and evaluation report. Government of India.
6. Government of Uttar Pradesh. (2023). Infrastructure development report of Ambedkarnagar district. Rural Development Department.
7. District Rural Development Agency. (2022). Block-wise infrastructure development analysis: Ambedkarnagar. Government of Uttar Pradesh.
8. Singh, R. L. (2020). India's rural infrastructure and regional development. National Geographical Society of India.
9. Gupta, A., & Sharma, S. (2019). Spatial assessment of rural connectivity and drinking water facilities in India. Journal of Rural Development Studies, 12(3), 45–60.
10. Uttar Pradesh Water & Sanitation Mission. (2023). Groundwater quality and rural water supply assessment report. Government of Uttar Pradesh.

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-11(A)| November- 2025

11. Ambedkarnagar Zila Panchayat. (2023). Village and block-level infrastructure records. Panchayati Raj Department, Government of Uttar Pradesh.
12. Mishra, S. (2018). Regional development and rural infrastructure planning. Concept Publishing Company.
13. World Health Organization. (2017). Guidelines for drinking-water quality (4th ed.). WHO Press.
14. National Institute of Rural Development. (2021). Rural roads and drinking water accessibility in India: A comparative study. NIRDPR, Hyderabad.
15. Planning Commission of India. (2013). Report on rural infrastructure development in India. Government of India.
16. Indian Roads Congress. (2020). Rural road development and maintenance guidelines. IRC Publications, New Delhi.
17. Central Ground Water Board. (2022). Groundwater resource estimation and quality status: Uttar Pradesh. Ministry of Jal Shakti, Government of India.
18. Sharma, P., & Verma, K. (2020). Infrastructure growth and socio-economic changes in rural Uttar Pradesh. Indian Journal of Regional Studies, 8(2), 89–102.
19. United Nations Development Programme. (2019). Sustainable rural infrastructure and community development. UNDP Publications.
20. Singh, A., & Yadav, R. (2021). Geo-spatial analysis of rural amenities for development planning: A case from North India. Geographical Review of India, 83(1), 32–48.